रुपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन

पंचांग पर अपना नाम छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक (100 प्रति से अधिक) कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें 07233013544, उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

कचौड़ीगली, वाराणसी, फोन नं. : 0542-2392543, 2392471

अक्टूबर 10 2025 OCTOBER

विक्रम संवत् 2082	श्रीशालिवाहन शाके 1947	फसली सन् 1433	इस्लामी हिजरी सन् 1447	बंगला संवत् 1432	नेपाली संवत् 1145-46
आश्विन शुक्ल 9 से कार्तिक शुक्ल 10 तक। ता. 8 से कार्तिक मास प्रारम्भ।	राष्ट्रीय आश्विन 9 से कार्तिक 9 तक। ता. 23 से कार्तिक मास प्रारम्भ।	प्र. असौज 24 से कतक 24 तक। ता. 8 से प्र. कतक माह शुरू।	रबि उस्सानी 8 से जमादि उलअव्वल 8 तक। ता. 24 से जमादि उलअव्वल माह शुरू।	आश्विन 14 से कार्तिक 14 तक। ता. 18 से कार्तिक प्रारम्भ।	आश्विन 15 गते से कार्तिक 14 गते तक। ता.18 से कार्तिक मास 22 से सं.1146 प्रारंभ।

दूध का हिसाब

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.2 रात 2:50 से ता.3 दिन 2:45 तक।
ता.6 दिन 11:25 से रात 10:29 तक।
ता.9 सायं 4:1 से रात 12:49 तक।
ता.12 रात 7:50 से ता.13 प्रातः 6:49 तक।
ता.15 रात 2:15 से ता.16 दिन 1:46 तक।
ता.19 दिन 1:55 से रात 2:55 तक।
ता.25 दिन 11:31 से रात 12:31 तक।
ता.28 रा.शे.4:29 से ता.29 सायं 4:41 तक।

तेजी-मंदी

धान्य-गेहूँ, जौ-चना, मटर में मंदी, सोना-चाँदी, गुड़-चीनी,अलसी,ज्वार-बाजरा, इलायची, लौंग, जायफल में मंदी के बाद तेजी आयेगी।

मूल विचार

ता.6 को रेवती रात 4:55 से ता.8 को अश्विनी रात 2:5 तक।
ता.15 को श्लेषा सायं 4:46 से ता.17 को मघा सायं 4:46 तक।
ता.24 को ज्येष्ठा रा.शे. 6:14 से ता.27 को मूल दिन 10:49 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.11 को चित्रा दिन 11:8 से।
ता.17 को तुला राशि रात 4:15 से।
ता.24 को स्वाती रात 7:46 से।

रवि SUN		आश्विन शुक्ल त्रयोदशी दिन 12:57 तक **5** मु. 12 बंग. 18 ता. 13 से आश्विन 19 गते मीन चं. रात 12:11 से,	कार्तिक कृष्ण षष्ठी रात 7:49 तक भद्रा **12** मु. 19 बंग. 25 ता. 20 से आश्विन 26 गते मिथुन चं. दिन 8:25 से, मृगशिरा रात 7:40 तक	कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी दिन 1:55 तक भद्रा **19** मु. 26 बंग. 2 ता. 27 से कार्तिक 2 गते कन्या चं. उ.फा. सायं 6:47 तक	कार्तिक शुक्ल पंचमी रात 2:15 तक **26** मु. 3 बंग. 9 ता. 4 से कार्तिक 9 गते धनु चं. दिन 8:41 से, ज्येष्ठा दिन 8:41 तक
सो MON		आश्विन शुक्ल चतुर्दशी दिन 11:25 तक भद्रा **6** मु. 13 बंग. 19 ता. 14 से आश्विन 20 गते शरद पूर्णिमा मीन चं. उ.भा. रात 4:55 तक	कार्तिक कृष्ण सप्तमी सायं 5:48 तक भद्रा **13** मु. 20 बंग. 26 ता. 21 से आश्विन 27 गते मिथुन चं. आर्द्रा सायं 6:22 तक	कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी दिन 2:55 तक मु. 27 बंग. 3 20 ता. 28 से कार्तिक 3 गते दीपावली कन्या चं. हस्त रात 8:29 तक	कार्तिक शुक्ल षष्ठी रात 3:34 तक मु. 4 बंग. 10 27 ता. 5 से कार्तिक 10 गते डालाछठ धनु चं. मूल दिन 10:49 तक
मं TUE		आश्विन शुक्ल पूर्णिमा दिन 9:34 तक **7** मु. 14 बंग. 20 ता. 15 से आश्विन 21 गते पूर्णिमा मेष चं. रात 3:36 से, रेवती रात 3:36 तक	कार्तिक कृष्ण अष्टमी सायं 4:6 तक **14** मु. 21 बंग. 27 ता. 22 से आश्विन 28 गते कर्क चं. दिन 11:39 से, पुनर्वसु सायं 5:24 तक	कार्तिक कृष्ण अमावस्या सायं 4:26 तक **21** मु. 28 बंग. 4 ता. 29 से कार्तिक 4 गते अमावस्या तुला चं. दिन 9:34 से, चित्रा रात 10:37 तक	कार्तिक शुक्ल सप्तमी रात 4:29 तक भद्रा **28** मु. 5 बंग. 11 ता. 6 से कार्तिक 11 गते मकर चं. सायं 6:51 से, पू.षा. दिन 12:32 तक
बु WED	आश्विन शुक्ल नवमी दिन 2:36 तक **1** मुस्लिम 8 बंगला 14 आश्विन 15 गते मकर चं. दिन 11:24 से, उ.षा. समस्त	कार्तिक कृ. प्रतिपदा प्रातः 7:29 तक, द्वितीया रा.शे. 5:11 तक **8** मु. 15 बंग. 21 ता. 16 से आश्विन 22 गते मेष चं. अश्विनी रात 2:5 तक	कार्तिक कृष्ण नवमी दिन 2:44 तक भद्रा **15** मु. 22 बंग. 28 ता. 23 से आश्विन 29 गते कर्क चं. पुष्य सायं 4:46 तक	कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा सायं 6:17 तक **22** मु. 29 बंग. 5 ता. 30 से कार्तिक 5 गते तुला चं. स्वाती रात 1:2 तक	कार्तिक शुक्ल अष्टमी रात 4:51 तक भद्रा **29** मु. 6 बंग. 12 ता. 7 से कार्तिक 12 गते मकर चं. उ.षा. दिन 1:49 तक	
गु THU	आश्विन शुक्ल दशमी दिन 2:56 तक भद्रा मु. 9 बंग. 15 2 ता. 10 से आश्विन 16 गते विजया दशमी गाँधी जयंती मकर चं. उ.षा. प्रातः 6:14 तक	कार्तिक कृष्ण तृतीया रात 2:49 तक भद्रा **9** मु. 16 बंग. 22 ता. 17 से आश्विन 23 गते वृष चं. रा.शे. 6:2 से, भरणी रात 12:27 तक	कार्तिक कृष्ण दशमी दिन 1:46 तक भद्रा **16** मु. 23 बंग. 29 ता. 24 से आश्विन 30 गते सिंह चं. सायं 4:31 से, श्लेषा सायं 4:31 तक	कार्तिक शुक्ल द्वितीया रात 8:22 तक **23** मु. 30 बंग. 6 ता. 1 से कार्तिक 6 गते चन्द्रदर्शन वृश्चिक चं. रात 9:0 से, विशाखा रात 3:38 तक	कार्तिक शुक्ल नवमी रात 4:40 तक **30** मु. 7 बंग. 13 ता. 8 से कार्तिक 13 गते कुम्भ चं. रात 2:42 से, श्रवण दिन 2:34 तक	
शु FRI	आश्विन शुक्ल एकादशी दिन 2:45 तक भद्रा **3** मु. 10 बंग. 16 ता. 11 से आश्विन 17 गते एकादशी व्रत कुम्भ चं. सायं 6:57 से, श्रवण प्रातः 6:53 तक	कार्तिक कृष्ण चतुर्थी रात 12:24 तक मु. 17 बंग. 23 10 ता. 18 से आश्विन 24 गते करवा चौथ व्रत वृष चं. कृत्तिका रात 10:46 तक	कार्तिक कृष्ण एकादशी दिन 1:18 तक **17** मु. 24 बंग. 30 एकादशी व्रत ता. 25 से आश्विन 31 गते तुला संक्रान्ति सिंह चं. मघा सायं 4:46 तक	कार्तिक शुक्ल तृतीया रात 10:30 तक **24** मु. 1 बंग. 7 ता. 2 से कार्तिक 7 गते वृश्चिक चं. अनुराधा रा.शे. 6:14 तक	कार्तिक शुक्ल दशमी रात 4:2 तक **31** मु. 8 बंग. 14 ता. 9 से कार्तिक 14 गते कुम्भ चं. धनिष्ठा दिन 2:49 तक	
श SAT	आश्विन शुक्ल द्वादशी दिन 2:4 तक **4** मु. 11 बंग. 17 ता. 12 से आश्विन 18 गते प्रदोष व्रत कुम्भ चं. धनिष्ठा प्रातः 7:2 तक	कार्तिक कृष्ण पंचमी रात 10:3 तक **11** मु. 18 बंग. 24 ता. 19 से आश्विन 25 गते वृष चं. रोहिणी रात 9:9 तक	कार्तिक कृष्ण द्वादशी दिन 1:20 तक **18** मु. 25 बंग. 1 धनतेरस ता. 26 से कार्तिक 1 गते प्रदोष व्रत कन्या चं. रात 11:50 से, पू.फा. सायं 5:32 तक	कार्तिक शुक्ल चतुर्थी रात 12:31 तक भद्रा **25** मु. 2 बंग. 8 ता. 3 से कार्तिक 8 गते वृश्चिक चं. ज्येष्ठा समस्त	**पंचक विचार** ता.3 को सायं 6:57 से ता.7 को रात 3:36 तक। ता.30 को रात 2:42 से मासान्त तक।	

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	6:6	6	7	8	9	9	10	11	12	12	13	14	14	15	16	16	17	18	19	19	21	22	22	22	23	24	24	25	26	26	27
सूर्यास्त	5:54	54	53	52	51	51	50	49	48	48	47	46	46	45	44	44	43	42	41	41	39	38	38	38	37	36	36	35	34	34	33

व्रत-त्यौहार

1.बुध-नवरात्र हवन, कन्या पूजन, विजयादशमी, सीमोल्लंघन शमी पूजन।
2.गुरु-विजयादशमी, दुर्गा मूर्ति विसर्जन, नवरात्र व्रत पारण, गाँधी-शास्त्री जयंती।
3.शुक्र-पापांकुशा एकादशी व्रत, भरत मिलाप-नाटीइमली, वारा.।
4.शनि-शनि प्रदोष व्रत, मु. पर्व ग्यारहवीं शरीफ।
6.सोम-व्रत पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा।
7.मंगल-स्नान-दान की पूर्णिमा, वाल्मीकि जयंती।
10.शुक्र-करवा चौथ व्रत चं.उ.रात 7:58पर, नक्कटैया-वाराणसी।
11.शनि-चित्रा के सूर्य दिन 11:8।
13.सोम-अहोई अष्टमी व्रत।
14.मंगल-राधाष्टमी व्रत, राधा प्राक.।
17.शुक्र-रम्भा एकादशी व्रत- गोवत्स द्वादशी, तुला संक्रांति रात 4:15।
18.शनि-प्रदोष व्रत, धनतेरस।
19.रवि-नरक चतुर्दशी, मास शिवरात्रि व्रत, हनुमज्जन्म सायं, धन्वन्तरी प्राकट्योत्सव।
20.सोम-दीपावली, प्रातः हनुमत दर्शन।
21.मंगल-स्नान-दान-श्राद्ध की भौमवती अमावस्या।
22.बुध-अन्नकूट, गोवर्धन पूजा काशी से अन्यत्र।
23.गुरु-गोवर्धन पूजा काशी में, भैयादूज, चन्द्रदर्शन।
24.शुक्र-स्वा.के सूर्य रात 7:46।
25.शनि-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, सूर्यषष्ठी (डाला छठ) व्रत 3 दिन प्रारम्भ।
27.सोम-सूर्यषष्ठी (डालाछठ) व्रत सायं अर्घ्य।
28.मंगल-डाला छठ प्रातः अर्घ्य, व्रत पारण।
29.बुध-गोपाष्टमी, गो पूजन।
30.गुरु-अक्षय नवमी, अयोध्या-मथुरा परिक्रमा।
31.शुक्र-वल्लभ भाई पटेल जयंती।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जयन्ती सितम्बर के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- माता के स्वास्थ्य में बाधा होगी, कार्य-व्यवसाय में परेशानी बढ़ेगी।
वृष- आर्थिक यश में वृद्धि होगी, कर्मचारियों का स्थान परिवर्तन सम्भव है।
मिथुन-नौकरी में पदोन्नति होगी, भौतिक सुख सुविधा में प्रगति होगी।
कर्क- मान-प्रतिष्ठा में कमी आयेगी, असहाय जैसा अनुभव होगा।
सिंह- नौकरी में स्थानान्तरण सम्भव है, किसी नये अधिकार की प्राप्ति होगी।
कन्या- निर्भीकता के साथ शत्रुओं का सामना करेंगे, धन सम्पत्ति में कमी आयेगी।
तुला- सगे सम्बन्धियों पड़ोसियों से विवाद होता रहेगा, शनि की पूजा करें।
वृश्चिक-शत्रुओं से विवाद सम्भव है, व्यवसाय क्षेत्र में उत्तम लाभ होगा।
धनु- पुत्रादि की उन्नति होगी, मांगलिक आयोजन के अवसर प्राप्त होंगे।
मकर- शनि के राशि परिवर्तन से अकस्मात रुका हुआ कार्य पूरा हो जायेगा।
कुम्भ- भूमि-सम्पत्ति के कार्यों में हानि होगी, सर्राफा व्यवसाय में लाभ होगा।
मीन- शनि आपके राशि पर भ्रमणवश परेशान करेगा, शांति हेतु हनुमान आराधना करें।

आकाशी-लक्षण

मध्य भारत में सूखा, पूर्वी-पश्चिमी, दक्षिणी क्षेत्रों में अच्छी वर्षा का योग है। तेज हवा के साथ वर्षा कहीं-कहीं बूँदा-बादी तथा आकाश में बादल छाये रहेंगे।

सितम्बर-2025

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8	15		29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10		24	
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

नवमी तथा विजया दशमी निर्णय

इस वर्ष दिनांक 1 अक्टूबर बुधवार को नवमी तिथि (दिन 2:36 तक) रहते हवन तथा कन्या पूजन समाप्त करें, दिन 2:36 से दशमी तिथि का प्रारंभ होकर दिनांक 2 अक्टूबर गुरुवार को दिन 2:56 तक समाप्त हो जा रही है। इस दशमी तिथि रहते व्रत का पारण, दुर्गा विसर्जन तथा विजयादशमी (दशहरा) सम्बन्धित कार्य सम्पन्न किया जायेगा। इसके उपरान्त एकादशी तिथि का प्रारंभ हो रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दशमी तिथि से सम्बन्धित कार्य एकादशी तिथि में नही करना चाहिये।

नवम्बर-2025

रवि	30	2	9	16	23
सोम		3	10	17	24
मंगल		4	11	18	25
बुध			12	19	26
गुरु		6	13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

बारह राशियों का वार्षिक राशिफल-सन् 2025 ई.

मेष-चु चे चो ला ली लू ले लो अ

मेष राशि वालों का यह वर्ष संघर्षपूर्ण रहेगा। शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्तायें परेशान करेंगी। घरेलू समस्याओं को लेकर मानसिक तनाव बढ़ेगा। आर्थिक मामले में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। पूंजी निवेश न करें। वाहन चलाने में सावधानी बरतें। व्यापार के क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम से लाभ होगा। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। दाम्पत्य-जीवन में मतभेद की स्थिति बनी रहेगी। सरकारी कर्मचारियों को व्यस्तता रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। सन्तान से मन मुटाव बना रहेगा। अनावश्यक दौड़-धूप होगी। भाग्य साथ तो देगा, परन्तु लाभ कम मिलेगा। विद्यार्थियों को मेहनत ज्यादा सफलता कम मिलेगी।

वृष-इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

वृष राशि वालों को यह वर्ष उतार-चढ़ाव का रहेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी होने की सम्भावना है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अधिक सचेत रहें। आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा, संचित धन में वृद्धि होगी। वाहन खरीदने का योग बनेगा। पैतृक-सम्पत्ति के सम्बन्ध में पारिवारिक विवाद हो सकता है। व्यापार के माध्यम से आजीविका क्षेत्र में लोगों की स्थिति में सुधार होगा। भाग्य उत्तम साथ देगा। कारोबार में अच्छी सफलता मिलेगी। आपसी तालमेल न होने के कारण दाम्पत्य-जीवन में नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। माता-पिता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। घर में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है।

मिथुन-का की कू घ ङ छ के को हा

मिथुन राशि वालों के लिए यह वर्ष उन्नति कारक है। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। धन का आवागमन बना रहेगा। अनावश्यक खर्च से परेशानी बढ़ेगी। भूमि, मकान, वाहन इत्यादि के क्रय-विक्रय का योग है। सन्तान की उन्नति से सुख प्राप्त होगा। शत्रुवर्ग हावी हो सकते है। वैवाहिक-जीवन में सुख-शान्ति बनी रहेगी। कारोबार व व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा वाले व्यक्तियों को भरपूर लाभ मिलेगा। विद्यार्थीगणों की मेहनत का फल उत्तम मिलेगा। आय के नये स्रोत बनेंगे। गलतफहमियों के कारण राजनेताओं को नुकसान उठाना पड़ेगा।

कर्क-ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कर्क राशि वालों को यह वर्ष सकारात्मक व उन्नतिदायक होगा। स्वास्थ्य में कफ-वात-पित्त सम्बन्धी कष्ट हो सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन सम्पत्ति खरीदने का योग सफल होगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा वालों को अपने वरिष्ठ अधिकारियों से तालमेल बनाकर रखें। सन्तान के विषय में सुख समाचार प्राप्त होगा। माता के लिये यह वर्ष कष्टकारी रहेगा। वैवाहिक-जीवन पति-पत्नी के सहयोग से खुशहाल रहेगा। परिवार के लोगों के साथ तालमेल बनाकर रखें, मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

सिंह-मा मी मू मे मो टा टी टू टे

सिंह राशि वालों को मई माह के बाद शनि की ढैया चलेगी। स्वास्थ्य सम्बन्धी छोटी-छोटी समस्यायें उत्पन्न होंगी। सम्पत्ति सम्बन्धी वाद-विवाद हो सकता है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय हानिकारक होगा। वाहन चलाने में सावधानी बरतें। इष्ट-मित्रों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक कष्ट व अनावश्यक भाग दौड़ हो सकती है। आयात-निर्यात के क्षेत्र में आपको नुकसान के साथ पैसा भी फँस सकता है। सरकारी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को संघर्ष का सामना करना पड़ेगा। वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक मामलों को लेकर परेशानियाँ बढ़ेंगी। सन्तान से सुख कम मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी।

कन्या-टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कन्या राशि वालों को यह वर्ष अत्यधिक लाभदायक रहेगा, महत्वपूर्ण कार्यों में सावधानी बनाये रखें। हड्डी, पेट व आँखों से सम्बन्धित बीमारियों के प्रति सतर्क रहें। व्यापार-कारोबार में अच्छी सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में धन-बचत पर ध्यान दें अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है। भू-सम्पत्ति खरीदने का योग बन रहा है। व्यवसाय के क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम करने के बावजूद उस अनुपात में सफलता प्राप्त नहीं होगी। सहयोगीजनों व पार्टनर के मध्य मतभेद होगा। माता-पिता से सहयोग सुख प्राप्त होगा। सन्तान की उन्नति के योग बनेंगे।

तुला-रा री रू रे रो ता ती तू ते

तुला राशि वालों को यह वर्ष सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारी कष्ट देगी। व्यापारियों को कारोबार में मंदी का सामना करना पड़ेगा। सरकारी कर्मचारियों की व्यस्तता बढ़ेगी। इष्ट-मित्रों के सहयोग से कार्य क्षेत्र में मुश्किलें कम होंगी। अचानक धन लाभ तथा धन खर्च होने की सम्भावना है। वाहन-मकान आदि सम्पत्ति खरीदने की योजना बनेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सन्तान के कारण कष्ट होगा। घरेलू उलझनों को लेकर पति-पत्नी के बीच मतभेद हो सकता है। व्यर्थ के वाद-विवाद में समय व्यतीत न करें। सर्राफा कारोबारियों को मंदी का सामना करना पड़ेगा। सरकारी कर्मचारियों का स्थानान्तरण हो सकता है। प्रेम-प्रसंग में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें।

वृश्चिक-तो ना नी नू ने नो या यी यू

वृश्चिक राशि वालों को यह वर्ष अधिकांश रूप से सकारात्मक रहेगा। पहले से रुके हुये कार्य सफल होंगे। शत्रु पक्ष आपके विरुद्ध कोई न कोई षडयन्त्र रचेंगे। स्वास्थ्य-सम्बन्धी चिन्ताएँ बनी रहेंगी। गला, कान से सम्बन्धित रोग कष्ट देगा। इष्ट-मित्रों के सहयोग से सम्पत्ति के क्रय-विक्रय में लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्रों में किये गये प्रयासों से सफलता प्राप्त होगी। कारोबार एवं कृषि कार्य से जुड़े हुए लोगों को यह वर्ष अच्छा रहेगा। नौकरी पेशा वालों की उन्नति के साथ-साथ पदोन्नति भी होगी। घरेलू-समस्याओं का समाधान होगा। पति-पत्नी के बीच सुख सौहार्द्र में वृद्धि होगी। प्रेम-संबन्ध में एक दूसरे के बीच सामजस्य बनाये रखें। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में कम लगेगा।

धनु-ये यो भा भी भू ध फ ढ भे

धनु राशि वालों को मई से शनि की ढैया प्रारम्भ होगी। वर्ष में शनि के आगे पीछे होने से उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। बने-बनाये कार्यों में व्यवधान आयेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी बढ़ सकती है। सम्पत्ति क्रय-विक्रय सम्बन्धी कार्यों में सावधानी बरतें नुकसान हो सकता है। जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें। अनावश्यक खर्च बढ़ने से मानसिक तनाव रहेगा। व्यापारिक क्षेत्र में जुड़े लोगों को उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ेगा। वाहन चलाने में सावधानी बरतें। यात्रा में चोरी, छिनैती से सावधान रहें। सन्तान सुख प्राप्त होगा। माता-पिता का स्वास्थ्य सुधरेगा। पति-पत्नी के बीच सामंजस्य की कमी रहेगी।

मकर-भो जा जी खी खू खे खो गा गी

मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष उतार-चढ़ाव का रहेगा। शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव जनवरी २०२६ तक रहेगा। स्वास्थ्य खराब होगा, जिससे मानसिक तनाव भरपूर रहेगा। आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें। पैसा फँस सकता है। कार्य क्षेत्र में विघ्न बाधाएँ आयेंगी। व्यवसाय-क्षेत्र में कार्यरत लोगों के नवीन व्यवसाय में उदासीनता बढ़ेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य पर पैसा अधिक खर्च होगा। सन्तान सम्बन्धी परेशानी का समाधान निकलेगा, जीवन-साथी के साथ पर्यटन स्थल की यात्रा के योग बनेंगे। समाज में अपमानित हो सकते हैं। गलत संसर्ग रखने से दूर रहें। वरना कष्ट हो सकता है।

कुम्भ-गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुम्भ राशि वालों को शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव बना रहेगा। मगर शनि की स्वयं राशि होने से ज्यादा प्रभावशाली नहीं होगा। यह वर्ष विशेष फलदायक बना रहेगा। स्वास्थ्य के सम्बन्ध में चिन्ता बढ़ सकती है। मानसिक तनाव से बचें। मतभेद एवं वाद-विवाद की स्थिति से बचें। किसी अनजानी अनचाही स्थिति से बचें। जमा पूँजी का सही तरह से उपयोग करें। किसी के बहकावे में न आयें। आजीविका के क्षेत्र में आपको मंदी का सामना करना पड़ेगा। नौकरी पेशा वाले अधिकारियों से तालमेल बनाकर रखें। पति-पत्नी के बीच आपसी वाद-विवाद हो सकता है।

मीन-दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मीन राशि वालों को इस वर्ष शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव उग्र रहेगा। बने बनाये कार्य बिगड़ेंगे। जिससे मानसिक तनाव बढ़ेगा। अनावश्यक व्यय होगा। कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगेंगे। बन्धु-बान्धवों से विवाद होगा। नित्य नये शत्रु बनेंगे। व्यर्थ के विवाद में समय बर्बाद न करें। स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में किये गये प्रयास में सफलता कम मिलेगी। कर्ज के लेन देन में सावधानी बरतें। वाहन-मकान क्रय-विक्रय या निर्माण का योग बनेगा। आर्थिक कठिनाईयाँ बनी रहेंगी। जीवन यापन में कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। नौकरी पेशा वालों का स्थानान्तरण होगा। दाम्पत्य-जीवन में परस्पर तालमेल बना रहेगा। सन्तान की उदण्डता आपको परेशान कर सकती है।

शनि की साढ़ेसाती तथा ढैय्या

इस वर्ष शनि देव दो राशि में भ्रमण करेंगे। 4 मई 2025 को मीन राशि में प्रवेश करेंगे। 14 जुलाई को वक्री होकर 17 सितम्बर से कुम्भ राशि में होंगे। 18 नवम्बर को मार्गी होकर 23 जनवरी 2026 को पुनः मीन राशि में प्रवेश करेंगे। कुम्भ मीन मेष राशि वालों को शनि की साढ़ेसाती रहेगी सिंह एवं धनु राशि वालो को शनि की ढैया चलेगी।

मेष राशि के शिर पर, मीन राशि के हृदय पर, कुम्भ राशि के पैर पर शनि का प्रभाव रहेगा। गोचर वश मेष से 12 वृष से 11 मिथुन से 10 कर्क से 9 सिंह से 8 कन्या से 7 तुला से 6 वृश्चिक से 5 धनु से 4 मकर से 3 कुम्भ से 2 मीन से पहले स्थान में भ्रमण करेंगे।

शनि शांति के लिए उपाय

शनि के साढ़ेसाती व ढैया वालों को शान्ति के लिये शनि का जप, दान करना तथा शनिस्तोत्र का पाठ करना चाहिए। हनुमानजी की आराधना दर्शन-पूजन, शनिवार को पीपल के मूल (जड़) में प्रातः काला तिल सहित जल देना चाहिए तथा सायं प्रदोष काल में दीपदान करना चाहिए। बन्दर को गुड़ चना देना चाहिए।

शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ तथा काले घोड़े के नाल या नाव के काँटे की अँगूठी मध्यमा अंगुली में धारण करें। काला तिल, अंजन, लोहा, सौंफ, धान का लावा को जल में डालकर स्नान करने से शनिदोष शांत होता है।

सितम्बर का शेषांश व्रत-त्योहार

ता.वार विवरण

6.**शनि**-अनन्त चतुर्दशी व्रत, गणपति विसर्जन।
7.**रवि**-स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, उमा महेश्वर व्रत, लोकपाल पूजा, नान्दी मातामह श्राद्ध, खग्रास-चन्द्रग्रहण।
8.**सोम**-फसली नववर्षारम्भ असौज सन् 1433 प्रारम्भ, महालया-पितृपक्ष आरम्भ, प्रतिपदा श्राद्ध।
9.**मंगल**-अशून्यशयन व्रत, द्वितीया श्राद्ध।
10.**बुध**-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 7:47, तृतीया श्राद्ध।
11.**गुरु**-चतुर्थी श्राद्ध।
12.**शुक्र**-भरणी श्राद्ध, पंचमी श्राद्ध, चन्द्र षष्ठी व्रत, षष्ठी श्राद्ध।
13.**शनि**-सप्तमी श्राद्ध।
14.**रवि**-जीवित्पुत्रिका-जीउतिया व्रत, महालक्ष्मी व्रत चं.उ.रा.11:4 अष्टमी श्राद्ध, अष्टका श्राद्ध, उ.फा. के सूर्य प्रा.7:13।
15.**सोम**-मातृनवमी, मातामह श्राद्ध, नवमी श्राद्ध, जीउतिया व्रत पारण।
16.**मंगल**-दशमी श्राद्ध।
17.**बुध**-इन्दिरा एकादशी व्रत-सबका, एकादशी श्राद्ध, विश्वकर्मा पूजा, कन्या संक्रांति सायं 5:19।
18.**गुरु**-यती-संन्यासी श्राद्ध, द्वादशी श्राद्ध।
19.**शुक्र**-प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत, मघा श्राद्ध, त्रयोदशी श्राद्ध।
20.**शनि**-चतुर्दशी श्राद्ध, शस्त्रादि से मृतक का श्राद्ध।
21.**रवि**-स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या, पितृ-विसर्जन, महालया समाप्त।
22.**सोम**-शारदीय नवरात्र आरम्भ, कलश स्थापन, दौहित्र द्वारा मातामह श्राद्ध।
23.**मंगल**-चन्द्रदर्शन।
24.**बुध**-मु.म. रवि उस्सानी हि.1447।
25.**गुरु**-वैना.गणेश चतुर्थी व्रत, मान चतुर्थी।
26.**शुक्र**-उपांग ललिता व्रत।
27.**शनि**-हस्त के सूर्य रात 10:36।
28.**रवि**-विल्व आमन्त्रण।
29.**सोम**-महानिशा पूजा, सरस्वती आवाहन, अन्नपूर्णा परिक्रमा दि.12:25 से।
30.**मंगल**-महाष्टमी, दुर्गाष्टमी व्रत, सरस्वती पूजा, अन्नपूर्णा परिक्रमा दिन 1:44 तक।

ता.वार विवरण

सितम्बर जयन्ती

1.**सोम**-श्री चन्द्र जयन्ती।
4.**गुरु**-श्रीवामन प्राकट्योत्सव।
5.**शुक्र**-शिक्षक दिवस, डॉ.राधाकृष्णन् जयन्ती, मदर टेरसा पुण्य तिथि, मु.पर्व बारावफात।
8.**सोम**-विश्व साक्षरता दिवस।
10.**बुध**-मु.पर्व ईदे मिलाद।
11.**गुरु**-सन्त विनोबा भावे जयंती।
14.**रवि**-हिन्दी दिवस।
15.**सोम**-इन्जीनियर्स-डे।
17.**बुध**-विश्वकर्माजी प्राकट्योत्सव।
22.**सोम**-श्रीशैलपुत्री देवी दर्शन, महाराज अग्रसेन जयंती।
23.**मंगल**-श्रीब्रह्मचारिणी देवी दर्शन।
24.**बुध**-श्रीचित्रघण्टा देवी दर्शन।
25.**गुरु**-श्रीकूष्माण्डा (दुर्गा) देवी दर्शन।
27.**शनि**-श्रीस्कन्दमाता देवी दर्शन।
28.**रवि**-श्रीकात्यायनी देवी दर्शन।
29.**सोम**-श्रीकालरात्रि देवी दर्शन, विश्व हृदय दिवस।
30.**मंगल**-श्रीमहागौरी देवी दर्शन, बैंक अर्धवार्षिक लेखा बन्दी।

अक्टूबर व्रत-त्यौहार

1.**बुध**-नवरात्र हवन, कन्या पूजन, विजया-दशमी, अपराजिता पूजन, सीमोल्लंघन, शमीपूजन, शस्त्रपूजा।
2.**गुरु**-विजयादशमी, दुर्गा मूर्ति विसर्जन, नवरात्र व्रत पारण।
3.**शुक्र**-पापांकुशा एकादशी व्रत-सबका।
4.**शनि**-शनि प्रदोष व्रत, पद्मनाभ द्वादशी व्रत।
6.**सोम**-व्रत की पूर्णिमा, कोजागरी व्रत, शरद् पूर्णिमा।
7.**मंगल**-स्नान-दान की पूर्णिमा।
8.**बुध**-कार्तिक मास का यम-नियम-व्रतारंभ, अशून्यशयन व्रत।
10.**शुक्र**-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, करवा चौथ व्रत चं.उ. रात 7:58 पर, ललिता चतुर्थी, दशरथ चतुर्थी-बंगाल।
11.**शनि**-चित्रा के सूर्य दिन 11:8।
13.**सोम**-अहोई अष्टमी व्रत चन्द्रोदय रात 11:5।
14.**मंगल**- राधाष्टमी व्रत, राधा कुण्ड स्नान पर्व, कराष्टमी-महाराष्ट्र।
17.**शुक्र**-रम्भा एकादशी व्रत-सबका, गोवत्स द्वादशी, तुला संक्रांति रात 4:15।
18.**शनि**-शनि प्रदोष व्रत, धनतेरस।

ता.वार विवरण

19.**रवि**-नरक चतुर्दशी, मास शिवरात्रि व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत, हनुमज्जन्म सायं।
20.-**सोम**-दीपावली, गणेश-लक्ष्मी-महाकाली पूजा, प्रातः हनुमद् दर्शन।
21.**मंगल**-स्नान-दान-श्राद्ध की भौमवती अमावस्या।
22.**बुध**-अन्नकूट, गोवर्धन पूजा काशी से अन्यत्र, बलिपूजा, नेपाली नववर्ष संवत् 1146 आरम्भ।
23.**गुरु**- गोवर्धन पूजा काशी में, भैयादूज, यम द्वितीया, चित्रगुप्त पूजा, दावात पूजा, चन्द्रदर्शन।
24.**शुक्र**-मु.म.जमादि उल अव्वल हि.1447, स्वाती के सूर्य रात 7:46।
25.**शनि**-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, सूर्यषष्ठी (डाला छठ) व्रत 3 दिन प्रारम्भ।
26.**रवि**-ज्ञान पंचमी जैन।
27.**सोम**-सूर्यषष्ठी (डालाछठ) व्रत सायं अर्घ्य।
28.**मंगल**-डाला छठ प्रातः अर्घ्य, व्रत का पारण।
29.**बुध**-गोपाष्टमी, गो पूजन, बुधाष्टमी।
30.**गुरु**-अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी, आंवला नवमी, दुर्गा नवमी, जगद्धात्री पूजा-बंगाल।

अक्टूबर जयन्ती

1.**बुध**-श्री सिद्धिदात्री देवी दर्शन, बौद्धावतार।
2.**गुरु**-गाँधी-शास्त्री जयंती, अहिंसा दिवस, साईं बाबा पुण्यतिथि, माधवाचार्य जयंती।
3.**शुक्र**-भरतमिलाप-नाटी इमली, वाराणसी।
4.**शनि**-मु.पर्व ग्यारहवीं शरीफ।
7.**मंगल**-महर्षि वाल्मीकि जयंती, मीराबाई जयंती।
8.**बुध**-वायु सेना दिवस।
9.**गुरु**-विश्व दृष्टि दिवस, उर्स हजरत निजामुद्दीन औलिया-दिल्ली।
10.**शुक्र**-नक्कटैया चेतगंज, वाराणसी, राष्ट्रीय डाक दिवस, चरखा जयन्ती।
14.**मंगल**-श्री राधा प्राकट्योत्सव।
19.**रवि**-धन्वन्तरी प्राकट्योत्सव, श्रीकामेश्वरी देवी प्राकट्योत्सव, श्रीहनुमान प्राकट्योत्सव, मु.शबे मिराज।
21.**मंगल**-महावीर निर्वाण दिवस, पुलिस स्मृति दिवस।
24.**शुक्र**-विश्वामित्र जयंती।
30.**गुरु**-अयोध्या-मथुरा परिक्रमा।
31.**शुक्र**-सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती, एकता दिवस।

नवम्बर व्रत त्यौहार

1.**शनि**-हरिप्रबोधिनी एकादशी व्रत-सबका, भीष्म पंचक प्रारम्भ।

ता.वार विवरण

2.**रवि**-तुलसी विवाह, चातुर्मास व्रत समाप्त।
3.**सोम**-सोमप्रदोष व्रत, वैकुण्ठ चतुर्दशी व्रत।
4.**मंगल**-श्रीकाशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दिवस, चौमासी चौदस-जैन।
5.**बुध**-स्नान-दान की पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिमा, रास पूर्णिमा, त्रिपुरोत्सव, देव दीपावली, श्रीकार्तिकेय दर्शन, भीष्मपंचक समाप्त।
6.**गुरु**-विशाखा के सूर्य रात 3:55।
8.**शनि**-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 7:45।
10.**सोम**-श्रीअन्नपूर्णा देवी व्रतारम्भ 16 दिनात्मक, श्रीरामेश्वर महादेव दर्शन-पूजन।
12.**बुध**-भैरव अष्टमी व्रत, अष्टभैरव दर्शन, कालाष्टमी।
15.**शनि**-उत्पन्ना एकादशी व्रत।
16.**रवि**-वृश्चिक संक्रांति रात 1:47।
17.**सोम**-सोम प्रदोष व्रत।
18.**मंगल**-मास शिवरात्रि व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत।
19.**बुध**-श्राद्ध की अमावस्या।
20.**गुरु**-स्नान-दान की अमावस्या, रुद्र व्रत पीड़िया (प्रदोष काल), अनुराधा के सूर्य दिन 8:50।
21.**शुक्र**-चन्द्रदर्शन।
22.**शनि**-मु.म. जमादि उस्सानी हि.1447।
24.**सोम**-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
25.**मंगल**-द्वितीय नागपंचमी, श्रीपंचमी, श्रीराम विवाहोत्सव।
26.**बुध**-स्कन्द षष्ठी व्रत, चम्पा षष्ठी-महाराष्ट्र, मूलकरूपिणी षष्ठी व्रत, गुहषष्ठी।
27.**गुरु**-मित्र (सूर्य) सप्तमी व्रत।
29.**शनि**-महानन्दा नवमी, कल्पादि नवमी।

नवम्बर जयन्ती

2. **रवि**-कालीदास जयन्ती।
5.**बुध**-गुरुनानक जयंती, पुष्कर मेला-अजमेर, हरिहर क्षेत्र मेला-सोनपुर, गढ़ मुक्तेश्वर-पुष्कर मेला, महावीर-स्वोत्सव जैन, भृगु आश्रम मेला ददरी-बलिया।
10.**सोम**-लोटा भंटा मेला-रामेश्वर-वाराणसी।
12.**बुध**-कालभैरव प्राकट्योत्सव।
14.**शुक्र**-बाल दिवस, पण्डित जवाहर लाल नेहरू जयन्ती।
24.**सोम**-गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस।

दिसम्बर व्रत त्यौहार

1.**सोम**-मोक्षदा एकादशी व्रत-सबका, मौनी एकादशी-जैन।

ता.वार विवरण

2.**मंगल**-भौमप्रदोष व्रत, मत्स्य द्वादशी व्रत।
3.**बुध**-पिशाचमोचन श्राद्ध, कपर्दीश्वर महादेव दर्शन, ज्येष्ठा के सूर्य दि.12:1।
4.**गुरु**-स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा।
8.**सोम**-सं.गणेश चतुर्थी व्रत चं.उ.रात 8:47।
12.**शुक्र**-कालाष्टमी, शुक्रास्त पश्चिम में रात 12:7।
14.**रवि**-पौष दशमी-जैन।
15.**सोम**-सफला एकादशी व्रत सबका।
16.**मंगल**-मूल-धनु संक्रांति दि.1:50, खरमास प्रारम्भ।
17.**बुध**-प्रदोष व्रत।
18.**गुरु**-मास शिवरात्रि व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत।
19.**शुक्र**-स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या, बकुल अमावस्या (उड़ीसा), कपिल धारा तीर्थ श्राद्ध।
21.**रवि**-चन्द्रदर्शन।
22.**सोम**-मु. रज्जब हि0 1447।
23.**मंगल**-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
25.**गुरु**-बड़ा दिन (क्रिसमस डे)।
26.**शुक्र**-अन्नरूपा षष्ठी-बंगाल।
29.**सोम**-शाम्ब दशमी-उड़ीसा, पू.षा. के सूर्य दिन 11:41।
30.**मंगल**-पुत्रदा एकादशी व्रत-सबका, वैकुण्ठ एकादशी-द.भा.।
31.**बुध**-कूर्म द्वादशी।

दिसम्बर जयन्ती

1.**सोम**-गीता जयंती, विश्व एड्स दिवस।
3.**बुध**-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती, किसान दिवस, भोपाल गैस त्रासदी दिवस।
4.**गुरु**-श्रीदत्तात्रेय प्राकट्योत्सव, अन्तर्गृही यात्रा काशी, षोडशी त्रिपुरसुन्दरी देवी प्राकट्योत्सव, नौसेना दिवस।
6.**शनि**-डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्य तिथि।
7.**रवि**-झण्डा दिवस।
10.**बुध**-मानवाधिकार दिवस।
14.**रवि**-ऊर्जा बचत दिवस।
15.**सोम**-पार्श्वनाथ जयंती।
25.**गुरु**-ईसा मसीह जयंती, पं. मदनमोहन मालवीय जयंती (अं.मत)।
26.**शुक्र**-जोर मेला पंजाब 3 दिन।
27.**शनि**-गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (प्रा.मत)।
28.**रवि**-जोर मेला समाप्त।
30.**मंगल**-तैलंग स्वामी जयंती।
31.**बुध**-नववर्ष की पूर्व सन्ध्या।